ओम् शान्ति 09-06-16 मधुबन

सतगुरुवार के दिन सर्व ब्राह्मण परिवार प्रति दादी जानकी जी के उद्‌गार

ओम शान्ति, ओम शान्ति। मेरे बहन भाई ओम शान्ति। आज सतगुरुवार है। तो सतगुरुवार को बाप को बाप के रूप में याद करें, शिक्षक के रूप में या सतगुरु के रूप में याद करें। वण्डरफुल है हमारा बाबा। बाबा कहती हूँ तो बड़ा वण्डरफुल है हमारा बाबा। हम कितने भाग्यशाली हैं जो बाबा हमारे साथ है। बाबा कहता है साक्षी होकर ऐसा पार्ट बजाओ जो सभी समझे कि वास्तव में 84 जनमों में यह अन्तिम जन्म है। बाबा का बनके दुनिया को दिखाना, मेरा बाबा कैसा है! सामने बाबा बैठा देख रहा है, मैं बाबा-बाबा कह रही हूँ, बाबा कहते बच्चे, बच्चे कहते बाबा। अभी यहाँ गुरुवार का भोग लगाने के लिए कितने शहरों से बहन-भाई आये हुए हैं। अच्छा है भोग लगाते हैं, भोग में योग लगाना। भोग लगायेंगी एक बहन, योग लगायेंगे सभी। योग लगा रहे हैं ना! क्योंकि बाबा कहता है, बाबा को भोग लगाने के लिए साइलेन्स इतनी अच्छी है। बाबा स्वीकार करे और हम शान्ति से बैठके बाबा हमको खिलावे। ठीक है ना। मुझे यह दृश्य आगे आ गया जो बाबा ने कहा मैं तुम्हें खिलाऊं या तुम मुझे खिलायेंगी। मैंने कहा मैं आपको खिलाती हूँ आप मुझे खिलाओ। यह बाबा की बहुत अच्छी रीति है। ओके, ओम शान्ति, ओम शान्ति।